तुलनात्मक राजनीति

परिचय–

वर्तमान परिवेश में राजनीति किसी न किसी रूप में मानव जीवन को प्रभावित करती है। चाहे कोई व्यक्ति वयक्तिगत तौर पर राजनीति से उदासीन रहे। फिर भी राजनीति किसी न किसी रूप में उसे प्रभावित अवश्य करती है। साधारण शब्दों में राज्य की नीतियों को राजनीति की संज्ञा देते हैं। लेकिन राजनीति केवल राज्य की क्रियाओं तक ही सीमित नहीं है। इसका संबंध व्यक्ति या व्यक्ति समुहों की उन सभी क्रियाओं से भी है जिसका प्रयोग वे एक दुसरे के व्यवहारों और निर्णयों को प्रभावित करने के लिए करते हैं। राजनीति हमारे सामाजिक जीवन का एक महत्वपूर्ण क्रियाकलाप है। परन्तु यह अन्य प्रकार की सामाजिक क्रियाओं से इस अर्थ में भिन्न है कि इसका प्रयोग मुख्य रूप से विषम स्थिति आ पड़ने पर उसका समाधान करने के लिए निर्णय निर्माण करने में किया जाता है। राजनीति को विभिन्न विद्वानों ने भिन्न भिन्न तरीके से परिभाषित किया है। ऑकशॉट जैसे रूढ़िवादी विद्वान राजनीति के सम्बंध में कहते हैं कि इसमें मनुष्य निरन्तर तैरने कि अवस्था में रहता है। डेविड ईस्टन राजनीति को मूल्यों के अधिकारिक आवंटन के रूप में परिभाषित करते हैं। हेराल्ड लासवेल और राबर्ट डाहल इसे साा के उपयोग में विशेष स्थिति कहते हैं और जीन ब्लांडेल निर्णय निर्माण के विषय पर अधिक बल देते हैं। **प्रो. डायक** ने अपनी पुस्तक **पॉलिटिकल साइंस : ए फिलॉसिफिकल एनालिसिस** में राजनीति को निम्नलिखित तरह से परिभाषित किया है–

1. यह एक क्रिया है जो समूहों में या उनके बीच होती रहती है,
2. यह उन इच्छाओं में संचालित होती है जिनकी कुछ सीमा तक लोगों में भागीदारी होती है,
3. इस क्रिया का एक अनिवार्य लक्षण यह है कि इसमें अभिनेताओं का संघर्ष निरन्तर चलता रहता है,
4. इसका ध्येय इच्छाओं की पूर्ति से है,
5. इसका सम्बंध समूह नीति, संगठन, समूह नेतृत्व या अंतःसमूह सम्बन्धों के व्यवस्थापन से है,
6. या उन लोंगों के विरोध से है जिनकी विविध इच्छाएं होती हैं।

संक्षेप में, डायक के शब्दों में राजनीति की परिभाषा अभिनेताओं के बीच ऐसे संघर्ष से की जा सकती है जो सार्वजनिक विषयों पर विरोधी इच्छाओं को धारण करते हैं।

तुलनात्मक राजनीति के क्षेत्र में राजनीति का अध्ययन विशेष अर्थ में किया जाता है। यहां राजनीति के आर्दशात्मक आयामों से बाहर निकलकर यथार्थ के धरातल पर राजनीति को समझने की कोशिश की जाती है। साधारण शब्दों में विभिन्न प्रकार की राजनीतिक क्रियाओं, संस्थाओं, राजनीतिक व्यवहारों आदी के तुलनात्मक रूप से अध्ययन को ही तुलनात्मक राजनीति कहा जाता है। लेकिन, जे. सी. जौहरी तुलनात्मक राजनीति के क्षेत्र में राजनीति के अध्ययन को, क) राजनीतिक क्रियाकलाप, ख) राजनीतिक प्रक्रिया, और ग) राजनीतिक साा के विशिष्ट अर्थ में परिभाषित करने की कोशिश करते हैं। राजनीतिक क्रियाकलापों के अंतर्गत वैसे प्रयास आते हैं जिनसे विरोध की स्थितियों का निर्माण और समाधान ऐसे ढ़ंग से किया जाता है जिससे साा के लिए संघर्ष में लगे हुए लोग अपने हितों की रक्षा कर सकें। इन क्रियाकलापों के माध्यम से व्यवस्था में उत्पन्न तनावों को कम करके व्यवस्था को गतिशील बनाए रखने की कोशिश की जाती है। राजनीतिक प्रकिया के अंतर्गत राज्य की निर्णय निर्माण प्रकिया को प्रभावित करने वाले सारे सरकारी और गैर सरकारी संस्थाओं को शामिल किया जाता है। फाइनर के शब्दों में उन कार्य विधियों के समुच्चय को, जिनसे राज्य के भीतर रहने वाले गैर सरकारी संगठन सरकार को प्रभावित करने की कोशिश करते हैं, अथवा सरकार द्वारा नीति निर्माण या सरकार बनने की प्रकिया में भाग लेते हैं, राजनीतिक प्रक्रिया कहा जाता है। राजनीति को साा के लिए संघर्ष के अर्थ में भी परिभाषित किया जाता है। अतः तुलनात्मक राजनीति के क्षेत्र में राजनीतिक साा का विषय भी अत्यन्त महत्वपूर्ण है। संक्षेप में, जे. सी. जौहरी तुलनात्मक राजनीति के क्षेत्र में राजनीति को राज्य, सरकार और साा के प्रयोग के अध्ययन के रूप में देखते हैं।

राजनीति विज्ञान में तुलनात्मक अध्ययन कोई नया प्रसंग नहीं है। जब से राजनीतिक व्यवहार व राजनीति का अध्ययन आरम्भ हुआ, तभी से तुलनात्मक अध्ययन किया जाता रहा है। तुलनात्मक राजनीति के अध्ययन का प्रारम्भ अरस्तु से ही माना जाता है। अरस्तु ने तत्कालीन राजनीतिक व्यवस्थाओं में विमान निरंकुशतंत्रों, श्रेणीतंत्रों तथा लोकतंत्रों की विशेषताओं व विविधताओं तथा विभिन्नताओं का विस्तृत विवेचन तुलनाात्मक दृष्टिकोण से किया था। अरस्तु से लेकर अब तक विशेषकर आधुनिक समय में अनेक राजनीतिशास्त्रियों ने राजनीतिक व्यवहार को समझने व समझााने के लिए राजनीतिक व्यवस्थाओं का अध्ययन, विश्लेषण और वर्गीकरण तुलनात्मक दृष्टिकोण से किया है। राजनीति की वास्तविकता को समझने के संदर्भ में तुलनात्मक अध्ययनों का विशेष महत्व है। जीन ब्लांडेल के शब्दों में इसके अंतर्गत राजनीति का समस्त क्षेत्र आ जाता है। परिणामस्वरूप, सरकार ही नहीं, बल्कि सरकारों का अध्ययन केन्द्रिय विषय बन गया है जिसका निहितार्थ निर्णयों का निर्माण है, चाहे यह निर्णय संयुक्त राष्ट्र संघ में लिया गया हो अथवा नगर परिषद् में, व्यापार संघ में हो अथवा पोप की गुप्त सभा में, बोर्ड के कक्ष में हो अथवा किसी कबीले में। इसी महत्वपूर्ण कारण से तुलनात्मक राजनीति एक एतिहासिक महत्व का विषय बन गई है।

तुलनात्मक राजनीति : अर्थ एवम् परिभाषा –

राजनीतिक व्यवहारों की वास्तविकताओं को समझने में अब राज्यों के आकार, संगठन, संस्थाओं व संस्कृति की तुलना और उनका अध्ययन उपयोगी सिद्ध नहीं हो रहा है। इसलिए आधुनिक राजनीति शास्त्रियों द्वारा राजनीतिक वास्तविकताओं को समझने के क्रम में राजनीतिक व्यवस्था, भूमिका, राजनीतिक संस्कृति, राजनीतिक संरचना ओर राजनीतिक समाजीकरण आदी अवधारणाओं का प्रयोग किया जाने लगा है। इन अवधारणाओं विशेषकर राजनीतिक व्यवस्था से सम्बंधित राजनीतिक प्रक्रियाओं के तुलनात्मक अध्ययन द्वारा राजनीतिक व्यवहार संबंधी सिद्धांत निर्माण तुलनात्मक राजनीति का ही विषय क्षेत्र है।

तुलनात्मक राजनीति का संबंध राजनीतिक व्यवहार की संपूर्णता के अध्ययन से है। इसमें सरकारों व राजकीय संस्थाओं का तुलनात्मक अध्ययन सम्मिलित होता है क्योंकि राजनीतिक व्यवहार, मुख्य रूप से राजनीतिक संस्थाओं के व्यवहार से प्रभावित होता है। इसलिए तुलनात्मक राजनीति में उन प्रभावों और प्रक्रियाओं का भी अध्ययन किया जाता है जिससे सरकारों का व्यवहार प्रभावित होता है। लेकिन इस अर्थ में तुलनात्मक राजनीति को तुलनात्मक शासन या तुलनात्मक सरकार का पर्याय नहीं समझना चाहिए। दोनो का ही संबंध राजनीति से होने के कारण सामान्यतया इनका प्रयोग एक दूसरे के लिए कर लिया जाता है। लेकिन राजनीतिक वैज्ञानिकों ने दोनों के अर्थ को स्पष्ट करने की कोशिश की है।

जे. के. रॉबर्ट्स तुलनात्मक राजनीति को तुलनात्मक सरकार से कहीं अधिक व्यापक क्षेत्र वाला अनुशासन मानते हैं। उनके अनुसाार **तुलनात्मक राजनीति का क्षेत्र इतना व्यापक है कि इसके अंतर्गत तुलनात्मक सरकारों के साथ साथ गैर शासकीय राजनीति, कबीलों, सम्प्रदायों और गैर राजकीय संगठनों की राजनीति का अध्ययन भी किया जाता है।**

एडवर्ड ए. फ्रीमेन भी तुलनात्मक राजनीति के क्षेत्र को विस्तृत मानते हुए कहते हैं कि **तुलनात्मक राजनीति में न केवल सरकारों के विभिन्न रूपों का ही अध्ययन होता है बल्कि विविध राजनीतिक प्रक्रियाओं और उनसे संबंधित राजनीतिक और गैर राजकीय संस्थाओं का भी तुलनात्मक अध्ययन होता है।**

जीन ब्लांडेल ने भी इन्हीं अर्थो में **तुलनात्मक राजनीति को परिभाषित करते हुए कहा है कि तुलनात्मक राजनीति समकालीन विश्व में राष्ट्रीय सरकारों के प्रतिमानों का अध्ययन है।**

तुलनात्मक राजनीति और तुलनात्मक सरकार के संबंध में दी गई उपरोक्त परिभाषओं से यह स्पष्ट होता है कि तुलनात्मक सरकार के अंतर्गत राज्य से संबंधित औपचारिक संसथाओं का ही मुख्य रूप से तुलनात्मक अध्ययन किया जाता है। इसमें राजनीतिक व्यवहार से संबंधित सभी प्रक्रियाओं और अन्य गैर सरकारी संस्थाओं का अध्ययन सम्मिलित नहीं किया जाता है। लेकिन वर्तमान समय में राजनीतिक दल और दबाव समूहों की राज्य की शासन व्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका होने के कारण इनका अध्ययन भी तुलनात्मक सरकारों के अंतर्गत किया जाने लगा है। परन्तु मुख्य जोर शासन की संस्थाओं के तुलनात्मक विश्लेषण पर ही रहता है। अतः स्पष्ट है कि तुलनात्मक सरकार के अंतर्गत सम्पूर्ण राजनीतिक व्यवहार और शासन को प्रभावित करने वाले सभी कारकों का अध्ययन नहीं किया जाता। जबकि, तुलनात्मक राजनीति का संबंध राजनीतिक व्यवहार को प्रभावित करने वाले सभी कारकों के अध्ययन से है। इसमें सरकारों और राजकीय संस्थाओं का अध्ययन तो किया ही जाता है, इसके साथ साथ उन प्रक्रियाओं और प्रभावों का भी अध्ययन किया जाता है जिससे शासन प्रभावित होता है, जिसमें गैर राजकीय संस्थाएं, धर्म मूल्य, दबाव समूह आदी शामिल होते हैं।

तुलनात्मक राजनीति और तुलनात्मक सरकार की उपरोक्त व्याख्या से स्पष्ट है कि तुलनात्मक राजनीति और तुलनात्मक सरकार समानार्थी नही हैं। तुलनात्मक सरकार, राजनीति के केवल शासन संबंधी संस्थागत पहलुओं के अध्ययन तक सीमित है। जबकि तुलनात्मक राजनीति उन सभी शक्तियों और प्रभावों का भी अध्ययन करती है जो राजनीतिक संस्थाओं, राजनीतिक प्रक्रियाओं और राजनीतिक व्यवहार को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करती है।

रॉल्फ ब्रेबनती ने तुलनात्मक राजनीति की व्यापक परिभाषा देने की कोशिश की है। उनके शब्दों में तुलनाात्मक राजनीति सम्पूर्ण सामाजिक व्यवस्था में उन तत्वों की पहचाान व व्याख्या है जो राजनीतिक कार्यों व उनके संस्थागत प्रकाशन को प्रभावित करते हैं। तुलनात्मक राजनीति की संक्षिप्त व शायद सबसे स्पष्ट परिभाषा **एम. कर्टिस** ने दी है। उनके अनुसार **तुलनात्मक राजनीति का संबंध राजनीतिक संस्थाओं की कार्यविधि व राजनीतिक व्यवहार की महत्वपूर्ण निरन्तरताओं में है।**

तुलनात्मक राजनीति इस प्रकार विभिन्न राजनीतिक व्यवस्थाओं, संस्थाओं और राजनीतिक प्रक्रियाओं का ऐसा तुलनात्मक अध्ययन है, जिससे उनकी समानताओं और असमानताओं का ज्ञान होता है और विभिन्न व्यवस्थाओं के संबंध में सामान्य नियमों की स्थापना होती है।